



तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

दर्पण | DARPAN

ई पत्रिका
E MAGAZINE



पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय बोलारम

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थान

Under Ministry of Education, Govt of India

क्षेत्रीयकार्यालय - हैदराबाद / Regional Office - Hyderabad
पिकेट, सिंकंदराबाद / Picket, SECUNDERABAD- 500 009

TEL. NOS. 040-27845649 [DC] 27847249 [AO] 27840122 (AC)

E-mail: dckvsrohyd@gmail.com Website: www.rohyderabad.kvs.gov.in

फ. नं. 210350(DC)/केविसं(हैक्षे)/2023/ 43778

दिनांक : 26.02.2024

संदेश / MESSAGE

अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय बोलाराम अपने विद्यालय की ई-पत्रिका शैक्षणिक वर्ष 2023-24 का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका न केवल विद्यालय गतिविधियों में होने वाली सभी क्रियाकलापों का दर्पण है अपितु इसके द्वारा विद्यालय में छिपी हुई प्रतिभाओं को भी लेखन के माध्यम से उभरने का सुअवसर मिलता है।

विद्यालय वह मंच है, जहाँ पर छात्र-छात्राएँ अपनी कल्पनाओं व सोच को साकार कर पाते हैं। बच्चों की मौलिक रचनाओं का अपना नैसर्गिक सौंदर्य है। संभवतः इस पत्रिका के माध्यम से हमारे देश में किसी भावी लेखक, कवि, पत्रकार व चिंतक का प्रथम अंकुरण हो रहा हो।

बच्चे नव-नवोन्मेषशाली प्रतिभा के धनी तथा कल्पना शक्ति के अजस्र स्रोत होते हैं। कल्पना के आलोक से उद्भासित विचार वल्लरी अपनी आभा से साहित्य जगत् को आलोकित करती है। सृजनात्मक शक्ति ने कल्पना-प्रसूत विचारबीजों को अंकुरित कर शब्दों का आकार दिया। शब्दों ने कविता, कहानी, हास्य-कणिका एवं विचार प्रधान लेख आदि का आकार ग्रहण किया। इन्हीं रचनाओं को प्रकाशित कर विद्यालय पत्रिका इन्हें चिरस्थायी बनाने का अप्रतिम कार्य करती है।

आशान्वित हूँ कि अपनी रचनाओं को विद्यालय पत्रिका में प्रकाशित हुआ देख बाल मन हर्षित पुलकित और उत्साहित होंगे इन्हें मेरी अनेक शुभाशीष और बधाइयाँ। विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन हेतु सतत प्रयासरत संपादक मंडल, शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाइयाँ, असीम शुभकामनाएँ और शुभाशीष।



Dr D. MANJUNATH
DEPUTY COMMISSIONER
HYDERABAD

(Handwritten signature)



ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेई
कमान्डेंट & प्रभारी अधिकारी ई एम ई रिकार्ड्स
Brig Prashant Bajpai
Comdt & OIC EME Records
Tele Office : 7100 (Mil)
Fax/STD : 040-27863241
Residence : 7101 (Mil)
: 040-27862386

मुख्यालय १ इलेक्ट्रॉनिक्स और
मैकेनिकल इंजीनियर्स केन्द्र
पिन - ९००४५३
पार्सल ५६ ए पी ओ
HQ 1 EME Centre
PIN - 900 453
C/o 56 APO



BRIG PRASHANT BAJPAI
Commandant, 1 EME And
Centre

24501/CS

२१ Mar 2024

CHAIRMAN'S MESSAGE

To all dear students,

1. I am delighted to know that Kendriya Vidyalaya, Bolarum, Secunderabad is bringing out its magazine for the academic year 2023-24. I extend my warm wishes and congratulations to the Principal Mrs Veena A Rote, Teachers and Students on publication of 'DARPAN'.
2. The school magazine is a platform for our future artists, writers, editors and designers. It also is a medium to give a voice to their aspirations, joys and sorrows, trials and tribulations. The contents of the magazine reflect the wonderful creativity depicting iridescent thoughts and imagination of our budding talents.
3. Being a PM SHRI beneficiary, Kendriya Vidyalaya, Bolarum, believes in applying innovative methods in school education to inculcate 21st Century skills and foster creativity. 'Vidyalaya Patrika' is a step forward in this direction.
4. I am confident that 'DARPAN' will help in shaping the readers' overall personality as well as provide them a myriad experience.
5. The efforts of the editorial board are praiseworthy for working incessantly to make the magazine a memorable one. I congratulate all the students and teachers for going the extra mile and adding charm to this magazine by their valuable contribution.

Jai Hind!

प्राचार्य संदेश



वीणा अ रोटे
प्राचार्य

अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि हमारा विद्यालय पीएम श्री केंद्रीय

विद्यालय बोलाराम ई-पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। वक्ता के वक्तव्य कौशल को निखारने के लिए मंच का जितना महत्त्व होता है, उतना ही महत्त्व नव साहित्य सृजकों के लिए विद्यालय पत्रिका का होता है।

धरती की गोद में जब बीज पड़ा होता है तब वह न तो किसी को दिखता है न ही स्वयं किसी को देख पाता है। ज्यों ही हवा, पानी और सूरज का सहयोग उसे मिलता है त्यों ही वह अंकुरित हो जाता है, खिल उठता है।

हमारे विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थीरूपी नवांकुर हैं। उनकी नवनवोन्मेष प्रतिभा का पल्लवन व पोषण करना हमारा दायित्व है। इसी दायित्व को ध्यान में रखते हुए हमने विद्यालय पत्रिका को प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। जिसमें छात्र- छात्राओं ने अपनी कल्पनाओं, विचारों व भावनाओं को शब्दों के रूप में अभिव्यक्त किया है। बच्चों की मौलिक रचनाओं का अपना नैसर्गिक सौंदर्य होता है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी पत्रिका इन उम्मीदों पर खरी उतरेगी। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बहुत प्रभावी है। सब जगह सुलभ है। इसीलिए ई-मैगजीन को हमने प्राथमिकता दी है।

मैं सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और संपादकीय बोर्ड के सदस्यों को पत्रिका के इस संस्करण के प्रकाशन हेतु अनेकानेक बधाईयां देती हूं।

HM'S Message



•As per the New Education Policy (NEP2020),the school aims at the integrated development of personality of our students.To accomplish this, together we strive.The seeds of over-all development are being sown in the pupils by the tender care and love of the management and the staff alike .We help the pupils to become mature,unselfish and spiritually oriented persons of character.Parental co-operation is indispensable for proper education of children.So with their support and co-operation together we strive to bring out the best in the child.Our vision envisages to create dedicated,dynamic and confident citizens of our country.

MRS.ANITHA HEMANTH

EDITORIAL

PMSHRI KV Bolarum always buzzes with the activities of the children. As per NEP guidelines, teachers peg away to provide a plethora of opportunities to develop them into multifaceted and multidimensional professionals competent enough to face real life situations in a fast developing digital world .

Publication of the Vidyalaya Patrika is an effective platform working in the same direction .It encourages the students to give a voice to their emotions, hopes and fears; hone their creative abilities and channelise their energies in the right directions. In the pandemic scenario, publication of magazine had become a stress buster relieving the students from the depression faced by them due to confinement . Now, it's their voice of struggling with new challenges, searching for new sunrises and new horizons. They now write about difficulties they are facing moving faster in academics, co curricular activities, learning new skills ;happiness they are creating and the aspirations they are brewing.

Brainstorming to create new articles , jotting them down in various genres , collecting them , selecting animations to suit them , arranging them in a proper way and other work involved in publication engaged the students taking them away from insipidity of monotonous life showing them a new colorful, sonorous world of literature . They also got an idea of what goes into making a seemingly simple thing - a magazine .

Enlivening ideas of the teenagers had made this magazine a trailblazer waiting to dazzle everyone who come within the vicinity.

I hope that the magazine will bring smiles on your faces as well as make you ponder over the gravity of human life. Happy Reading.

JYOTHI KAMAT

IMPRESSIONS AS SCHOOL CAPTAIN

Respected Principal teachers and all students of PM SHRI Kendriya vidyalaya bolarum.

As we embark on the journey of compiling our annual school magazine, it is with great pride and enthusiasm that I reflect on the remarkable achievements and milestones we've reached over the past year. Despite the challenges and uncertainties that have come our way, our school community has continued to thrive, demonstrating resilience, determination, and a commitment to excellence.

From academic accomplishments to artistic endeavors, athletic triumphs to community service initiatives, each contribution from every member of our school community has played a vital role in shaping the vibrant tapestry of our institution. Our collective efforts have not only enriched the lives of those within our school walls but have also made a positive impact on the world beyond.

As we come together to celebrate our achievements and capture the spirit of our school in the pages of this magazine, let us take a moment to express our gratitude to everyone who has contributed to its creation. Whether through writing, photography, design, or editing, your dedication and talent have made this publication possible.

As we look ahead to the future with optimism and excitement, let us carry forward the values of integrity, inclusivity, and excellence that define our school community. May this magazine serve as a testament to our shared accomplishments and a source of inspiration for all who have the privilege of reading it.

Thank you for your unwavering support and commitment to our school. Together, we will continue to reach new heights and make a difference in the lives of those around us.

Warm regards,

DHRUV SINGH

12 A

SCHOOL CAPTAIN

गीता श्लोकाः

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते
संगोस्त्वकर्मणि॥(१)

भावार्थः कर्म करने मात्रा में तुम्हारा अधिकार है? फल में कभी नहीं। तुम कर्मफल के हेतु वाले मत होना और अकर्म में भी तुम्हारी आसक्ति न हो।

विद्याविनयसंपन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनी। शुनिचैव श्वपाके च पंडिताः समदर्शिनः॥(२)

भावार्थः ज्ञानी महापुरुष विद्या विनय युक्त ब्राह्मण में और चांडाल में तथा गाय हाथी एवं कुत्ते में भी समरूप परमात्मा को देखने वाले होते हैं।

अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे।
गतासूनगतासूंश्च नानुशेचन्ति पण्डिताः॥(३)

भावार्थः श्री भगवान् बोले तू मने शोक न करने योग्य का शोक किया है और पंडिताई की बातें कह रहे हो परंतु जिनके प्राण चले गये हैं उनके लिए और जिनके प्राण नहीं गये हैं उनके लिए पंडित लोग शोक नहीं करते।

असंशयं महाबाहो मनो दूर्निग्रहं चलम्। अभ्यासेन तु कैंतेय वैराग्येण च गृह्यते॥(४)

भावार्थः श्री भगवान् बोले हे महाबाहो यह मन बड़ा चंचल है और इसका निग्रह करना भी बड़ा कठिन है यह तुम्हारा कहना बिल्कुल ठीक है। परंतु हे कुन्तीनदन अभ्यास और वैराग्य के द्वारा इसका निग्रह किया जाता है।



रश्मिता मुस्कान
अष्टमी. कक्षा

प्रियं भारतम्

प्रकृत्या सुरम्यं विशालं प्रकामम्
सरित्तरहारैः ललामम् निकामम्
हिमाद्रिः ललाटे पदे चैव सिन्धुः
प्रियं भारतं सर्वथा दर्शनीयम्
धनानां निधानं धरायां प्रधानम्
इदं भारतं देवलोकेन तुल्यम्
यशो यस्य शुभ्रं विदेशेषु गीतम्
प्रियं भारतं तत् सदा पूजनीयम्.
अनेके प्रदेशा अनेके च वेषाः
अनेकानि रूपाणि भाषा अनेकाः
परं यत्र सर्वे वयं भारतीयाः
प्रियं भारतं तत् सदा रक्षणीयम्
सुधीरा जना यत्र युद्धेषु वीराः
शरीरार्पणेनापि रक्षन्ति देशम्
स्वधर्मानुरक्ताः सुशीलाश्च नार्यः
प्रियं भारतं तत् सदा श्लाघनीयम्
वयं भारतीयाः स्वभूमिं नमामः
परं धर्ममेकं सदा मानयामः
यदर्थं धनं जीवनं चार्पयामः
प्रियं भारतं तत् सदा वन्दनीयम्



शेषप्रणती,
10 A कक्षा

मैं कवि हूँ



मैं कवि हूँ, कथ्य से संसार लिखता हूँ,
बन लेखनी मैं, रक्त से किरदार लिखता हूँ।
वो लोग और होंगे, है जिन्हें साहिलो से प्यार
मैं हाथ में पतवार ले, मझधार लिखता हूँ।
मैं कवि.....

मैं नहीं उनमें से, जिनको चाहिए है, पथ सरल
मैं हिमशिखर पर श्वास से अंगार लिखता हूँ
मैं कवि हूँ.....

वक्त की जंजीर में बंधकर समर्पण अब नहीं
मैं बेड़ियों को काटने, तलवार लिखता हूँ
मैं कवि हूँ.....

भय नहीं विध्वंस का, जब तक है कर मैं लेखनी
प्रयत्न से नव सृजन का आधार लिखता हूँ,
मैं कवि हूँ.....

मौन रह कर देख लें, धृतराष्ट्र का ये युग नहीं
“प्रवीण” हूँ अन्याय का प्रतिकार लिखता हूँ
मैं कवि हूँ.....

प्रवीण कुमार द्विवेदी
स्नातकोत्तर शिक्षिक इतिहास

शुरुआत है आजादी की



शुरू की थी जिसने
आजादी की कहानी को भूल गए हैं
हम आज उनके नामों को पढ़ते हैं
आज हम बस उनको किताबों में भूल गए हैं
हम आज उनके बलिदानों को याद आते हैं
वह बस एक दिखावे में जो बरसों का संघर्ष है वो,
हम भूल जाते हैं आज दो पल की बातों में
शुरू हुई थी यह कहानी बंगाल की घाटी से
जिस भूमि से जन्म लिए थे मंगल पांडे जैसे वीरों ने

दीपांजलि
आठवीं अ



प्रकृति

सुंदर रूप इस धरा का,
अचल जिसका नीला आकाश,
पर्वत जिसका अंचल ऊंचा,
मस्तक उस पर
चांद सूरज की बिंदिया का ताज
नदियाँ झरनों छलता सतरंगी
पुष्प लताओं ने किया श्रृंगार
खेत खलिहानों में लहलाती फैसले
बिखरती मंद मंद मुस्कान।

- अदिति मिश्रा
आठवीं द



बारिश



बारिश की बूँदें गिरी,
मिट्टी को किया गीला ।
हर पौधे को दिया,
एक नया दिन सुनेहरा।
बरसात की बूँदें गिरी,
मिट्टी को किया गीला।
पेड़ों को झुके और फूलों हँसे,
बारिश की बूँदें गिरी।

- हारिका
छठी ब

मेरे—पापा

मेरे पापा, जो खुद से पहले दूसरो की चिंता करते,
लेकिन खुद का ध्यान कभी न रखते....

मेरे पापा, भले ही उनके पास पैसे हो या ना हो
लेकिन बोलते जरूर है कि 'बेटा जो चाहिए वो ले लो'

मेरे पापा, जो हमारा जन्मदिन तो बड़े धूम धाम से मनाते
लेकिन खुद के जन्मदिन में एक मोमबत्ती भी न जलाते ।

मेरे पापा, जो खुद को छोड़ दूसरो की दुनिया संवारते
मेरे पापा मेरे लिए दुनिया से लड़ जाते,

मेरे पापा जब तक मेरे साथ है तब तक मुझे किसी चीज का
डर नहीं,

मेरे पापा, जब तक उनका हाथ मेरे सिर पर है

तब तक मैं दूसरो से कम नहीं, मैं दूसरो से कम नहीं!!



—ऐनी सिंह
छठी 'अ'

मेरी मां

मां की आंचल में पली हूं मैं,
मां की छाया में बड़ी हूं मैं।
मां की ममता, मां का प्यार,
झूठ है सारा संसार।



मां ने उंगली पकड़कर चलना सिखाया है मुझे,
मां ने खेलना सिखाया है मुझे।
मां ने पढ़ाया है मुझे,
मां ने आगे बढ़ाया है मुझे।
इस दुनिया से लड़ना सिखाया है मुझे,
सिर पर हाथ है, दिल में प्यार है।
हर मुश्किल समय पर मां का साथ है।
हर मुश्किल समय पर मां का साथ है।

-कशिश कमारी
"सातवीं स"

राजा राम

राम मिले ममता माँ कौशल्या को,
राम मिलेंगे बजरंगी के सीने में,
राम मिलेंगे शबरी के झूठे बेरो मे,
अयोध्या के प्यारे राजा राम
हम सब के दुलारे राम !
जब इतने प्राण गवाये थे
तब जाके हमको,
हमारे राजा राम मिल पाए थे।



500 वर्षा से अधिक की है ये तपस्या,
तभी तो हमे मिल पाए
हमारे प्यारे राजा राम।
अयोध्या के प्यारे राजा राम
हम सब के दुलारे राम।



झूम उठी अयोध्या नगरी खुशियों से
जब आ पधारे हमारे राजा राम।
भारत का बच्चा - बच्चा बोल रहा राम-राम
तभी तो पुरे संसार में
हो गया रौशन राजा राम का नाम।

-अभय कुमार
आठवीं-'स'

है कथा संग्राम की

सुनो सज्जनों महाभारत की,
मैं कथा सुनाता हूँ।

कौरव-पांडवों के बीच हुई,
कलह की बात बताता हूँ ॥

न्याय-अन्याय की बात नहीं,
कुछ अलग बताता हूँ।

दोनों के बीच हुई कलह का,
कारण मैं, ईर्ष्या बताता हूँ।

ईर्ष्या नहीं करता दुर्योधन तो,
महाभारत नहीं होता ।

कोई किसी के सीने में,
नफरत के बीज नहीं बोता ॥

नफरत के बीजों के कारण,
चारों ओर हाहाकार हो गया।

एक भाई दूसरे भाई के
प्राणों का प्यासा हो गया ॥

महा भारत के युद्ध में
अपनों ने अपनों को मारा।



लड़ते-मरते रहे आपस में,
कोई किसी की नहीं माना ॥
जीवित रहते सभी महारथी,
अगर वे नहीं लड़ते ।
एक - दूसरे का रक्त बहाकर,
क्यों आपस में मरते ॥
युद्ध बड़े भयंकर होते हैं,
इनके चक्कर में नहीं पडना ।
अच्छा रहता है आपस में,
मिल-जुल कर ही रहना ॥
रहो मिल-जुलकर आपस में,
अज्ञानता दूर भगाओ ।
अपने सारे जीवन में बस,
चैन की बंसी बजाओ ॥



चक्रीत

मैं मजे में हूँ

धुँधली मंज़िले है
ऐसे बियावान में हूँ
ख्वाहिश रोशनी की है
इसी भूख में हूँ
घर से निकली हूँ
भटकते राह में हूँ
शरमाये रात के है
और मैं नशे में हूँ
इधर और उधर, किधर?
कुछ कशमकश में हूँ
राहें बंद सी है
लेकिन मैं खुले में हूँ
खामोशिया चुप सी है
जिंदगी के शोर में हूँ
उलझाने में ये भी है
मैं मजे में हूँ



-तनीक्षा
आठवीं स

बचपन के दिन

बचपन के दिन थे सबसे निराले,
न कभी की पढ़ाई,
बस खेलकूद के मैदान में
हमने की लड़ाई।
न पास होने की आशा थी,
न अध्यापक की डाट खाने पर निराशा।
बस आगे बढें हम
न सोचें क्या होगा कल।
वो दिन थे सबसे अच्छे
न किसी चीज़ का डर,
बस सोचते थे कि क्या खेलेंगे हम कल।
बचपन में मिलता था वो सब कुछ
जो माँगे हम चाहे
हम लोट पोट क्यों न हो जाए पर,
माँ दिला दे देती थी सब।
सूरज की रोशनी चाहे
कितनी भी बढ़ जाए,
या फिर मौसम कितना भी खराब हो जाएं,
पर हम कभी न निकाले
अपने मन से खेल कूद का रंग।
बचपन के दिन थे सबसे निराले ॥



- श्रेया पांड
कक्षा आठवी (स)

घुटने से रेंगते - रेंगते,
कब पैरों पर खड़ी हुई,
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ी हुई मैं।
काला टीका दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा ही है।
माँ प्यार ये तेरा कैसा है?,
सीधा साधा है, भोला भाला है।
खाना हमे खिलाती हो
लोरी गाकर सुलाती हो।
चलना हमे सिखाती हो,
मंज़िल हमे दिखाती हो।
कितनी भी हो जाऊ बड़ी
“माँ” मैं आज भी तेरी बच्ची हूँ॥
मैं आज भी तेरी बच्ची हूँ॥



सोहा
ग्यारहवीं ब

पापा

मेरी साहस मेरी इज्जत मेरा सम्मान है पिता।
मेरी ताकत मेरी पूंजी मेरी पहचान है पिता।
घर की एक-एक एट में शामिल उनका खून-पसीना।
मुझको हिम्मत देने वाले मेरा अभिमान है पिता।
सारे रिश्ते उनके दाम से सारी बातें उनसे हैं।
सारे घर के दिल की धड़कन,सारे घर की जान पिता।
शायद रब ने देकर भेजा फल यह अच्छे कर्मों का।
उसकी रहमत,उसकी बेअमत उसका है वरदान पिता।



- जी.माधवी
"नवीं अ"

भारत का इंसान है भोला

पेप्सी बोली कोका-कोला,
भारत का इंसान है भोला।
साथ मौत को लाई हूं।
लहर नहीं जहर हूं मैं,
मुझे बढ़ती एसिडिटी
फिर क्यों पीते भैया-दीदी?
ऐसी मेरी कहानी है,
मुझे अच्छा पानी है,
दूध दवा है, दूध दुआ है,
मैं जहरीला पानी हूं।
दूध मुझसे सस्ता है,
फिर पीकर मुझको क्यों मरता है।
करोड़ों रुपए कमाती हूं,
विदेशो में ले जाती हूं।
छोड़ो नकल अब अकल से जियो
जो कुछ पीना संभल के पियो
पेप्सी नहीं अब घर में लाना।
अब तो समझो मेरे पापा।
मेरे बच्चे स्टॉक से करो टॉयलेट साफ़ ,
नहीं तो होगा वो अंजाम
कर दूंगी सबका काम तमाम।



-बेनज़ीर फिजा
ग्यारहवीं स

भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट+आचरण। ऐसा कार्य जो अपने स्वार्थ सिद्धि की कामना के लिए समाज के नैतिक मूल्यों को ताख पर रखकर किया जाता है, भ्रष्टाचार कहलाता है। भ्रष्टाचार पूरे देश में महामारी की तरह फैल रहा है। यह दीमक की तरह पूरे देश को धीरे-धीरे खतम कर रहा है। पूरे भारत के व्यवस्था प्रणाली में भ्रष्टाचार ने अपनी जगह बना ली है। लोग सत्य के मार्ग पर तरक्की पाने के जगह भ्रष्ट नीतियों को अपनाते हैं। उदाहरण के तौर पर किसी दफ्तर में प्रमोशन चाहिए या नौकरी चाहिए तो वह रिस्वत देकर अपना काम करवाते हैं। ये न्याय व्यवस्था के खिलाफ है।

"भ्रष्टाचार को रोकने का उपाय"-जब तक इस अपराध के लिए कोई कड़ा दण्ड नहीं दिया जाएगा तब तक यह बिमारी दीमक की तरह पूरे देश को खा जाएगी। लोगों को स्वयं में ईमानदारी विकसित करना होगा। आने वाली पीढ़ी तक सुआचरण के फायदे पहनेंगे होंगे।



- श्रद्धांजलि नन्दी
"नवमी "अ"



सफलता

सफल होना हमेशा पहले स्थान पर होने जैसा नहीं होता है। इसे एक पक्ति में परिभाषित नहीं किया जा सकता है। सफलता वह एहसास है जो व्यक्ति पहले से बेहतर कुछ हासिल करने के बाद महसूस करता है। सफलता केवल किसी दौड़ में प्रथम नहीं होना है बल्कि यह वह उपलब्धि है जो व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में अपने पिछले प्रयासों से बेहतर प्रदर्शन करके प्राप्त करता है। यह हमारे जीवन में संधार के हर स्तर पर है। जब कोई व्यवसायी लक्ष्य को प्राप्त करता है और पहले से अधिक कमाता है तो यह उसके लिए एक सफलता है। सफलता एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न हो सकती है। एक छात्र के लिए कक्षा में प्रथम होना सफलता है जबकि एक खिलाड़ी के लिए किसी राज्य, देश या शायद दुनिया में प्रथम होना एक सफलता है।

सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति में कुछ गुण होने चाहिए।

आत्म-अनशासन उन गुणों में से एक है। विद्यार्थी, व्यवसायी, कर्मचारी या राजनेता आदि होने के नाते व्यक्ति को सबसे पहले आत्म-अनशासित होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अनशासित है तो वह चीजों की योजना बना सकता है और उन्हें बेहतर तरीके से लागू कर सकता है।

कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। आपने यह उद्धरण सुना होगा तो इसका मतलब यह है कि यदि आपके पास सफलता प्राप्त करने का लक्ष्य है और आप सफलता प्राप्त करने के लिए पर्याप्त मेहनत नहीं करते हैं तो निश्चित रूप से आप इसे प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सफलता प्राप्त करने के लिए सभी को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

इच्छा एक ऐसी चीज है जो आपको सफलता प्राप्त करने के लिए होनी चाहिए। यदि आप में सफलता प्राप्त करने की कोई इच्छा नहीं है तो आप इसे कैसे प्राप्त करेंगे? अगर हमें इच्छा ही तो हम मेहनत करेंगे और उन चरणों का पालन करेंगे जो हमें सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं। अतः प्रत्येक व्यक्ति में सफलता प्राप्त करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए ताकि वे सफलता प्राप्त कर सकें।



“साईं दिनेश
आठवीं-द”

मेहनत



मेहनत जो करता है।
वह अच्छा फल पाता है।
नहीं अधूरा रहता उसका काम।
हर काम पूरा हो जाता है।
वह सफलता की हर सीढ़ी चढता जाता है।
मेहनत से वह अपनी मजिल पाता है।
करे मेहनत सभी अगर तो।
अपनी हर मंजिल पाएंगे।
छुएगी सफलता उनके कदमो को।
जग में नाम कमाएंगे ॥
हम भी आज करे मेहनत तो।
पढ़ लिख कर नाम करेंगे ऊँचा ॥

समीक्षा भगत
नवमी स

प्रकृति

प्रकृति का सौंदर्य अनमोल,
जिससे मन को शांति मिलती।
पहाड़ियों का झरना।
नदियों का बहना,
जंगलों का स्वर,
हवा का महाकना।
प्रकृति की गोद में जीवन का संचार।
चिड़ियों का चहचहाना,
फूलों का खिलना,
सूरज की किरणें,
चांद का जगमावाना।
प्रकृति एक अनमोल उपहार,
जिसे संभालकर रखना है।
प्रदूषण से बचाना है और
आने वाली पीढ़ियों के लिए संवारना है।



- हर्षिनी
नवमी द

मोबाइल एक नशा है:

आज के दौर में बच्चे हो या बड़े सब मोबाइल के ऊपर निर्भर हो गए हैं। आज के समय में मोबाइल का उपयोग करने की यदि बात की जाए तो 2023 में एक अनुमान के अनुसार 5 बिलियन लोग इसका उपयोग कर रहे हैं।

आज दूसरे की जिंदगी में क्या हो रहा है, इसका ब्यौरा सोशल मीडिया से हमें मिल जाता है। दूसरे की जिंदगी में दिलचस्पी हमारी खद की जिंदगी को तहस-नहस कर देती है। इससे मानसिक शांति पर बहुत असर पड़ता है। दिनभर में एक व्यक्ति कितना समय मोबाइल चलाने में बिताता है, इसको लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। भारत सहित दुनिया भर के मोबाइल यूजर्स ऐप्स पर दिनभर में लगभग चार घंटे या उससे अधिक समय बिताने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यह अत्यधिक चिंता का विषय है।

अरस्तू ने कहा है कि, “एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।

मोबाइल के इस्तेमाल से हमारे स्वास्थ्य पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके अधिक उपयोग से बच्चों में चिड़चिड़ापन, सिर दर्द की समस्या, नेत्र संबंधित समस्या, अनिद्रा व हृदय संबंधित रोगों की संख्या बढ़ रही है। सोशल मीडिया पर जो भी दिखता है वो वास्तविकता से कोसों दूर होता है। मासूम बच्चों के मानस पटल पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है जो उनके शारीरिक विकास में अवरोध डाल देता है। बच्चे दोनों में फर्क समझ नहीं पाते हैं। उनका अपरिपक्व मन जो देखता है उसी पर विश्वास कर लेता है। बच्चे काल्पनिक दुनिया की चक्काचौंध में वास्तविकता से दूर हो



आज के युग में प्रकृति की जगह मोबाइल के दृश्यों ने ले ली है। पेड़ की छाँव का अहसास गुम-सा गया है। वो घास पर पैर रखकर स्फूर्ति को महसूस करना, मानो सदियों की बात है। वो तितलियों को पकड़ते हुए भागना मानों एक स्वप्न-सा हो गया है। आज के युग में माँ की लोरी की जगह यूट्यूब ने ले ली है। हम प्रकृति से दूर हो गए हैं। खेलना-कूदना तो जैसे बच्चे भूल ही गए हैं।

ऐसी स्थिति में माता-पिता का ये कर्तव्य है कि वो बच्चों को प्रकृति का महत्व समझायें। मोबाइल के कारण बच्चे अपने कार्य स्वयं करने की क्षमता खो देते हैं क्योंकि उनको मोबाइल से हर चीज़ का हल मिल जाता है। किशोर बच्चों के हाथ मोबाइल की जगह पुस्तक को दें। बच्चों में पढ़ने की आदत डालें। पुस्तकें पढ़ने से बच्चों का शब्दकोश बढ़ता है तथा उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

अब ये फैसला आपका है कि आप खुद को और अपने भारत देश की आने वाली पीढ़ी को इस नशे से दूर रखना चाहते हैं या नहीं।

जरा सोचिएगा जरूर!

आशा कुमारी
स्नातकोत्तर शिक्षिका हिंदी



नृत्य

नृत्य का जादू,
मन को है सहलाता।
मधुर सी ताल,
खुशियों को है लाता।
आँखों में चमक,
खुशी का संगीत।
दिल की ध्वनि,
मन को है भाती।
रंगीन है दिन,
पल है सुहाना।
स्वर्ग सम्मान नवरस,
सुन ले मेरा कहना।
जब बात हो नृत्य की,
हर दर्द को बुलाता।
नृत्य की मुद्रा,
जीवन को सजाता।



मयंक
नवमी स

माँ पर कविता

माँ की ममता माँ का प्यार
झूठा है सारा संसार
गोद उठाती लोरी गाती,
पहले खाना हमें खिलाती
करती पल पल हमें दुलारा,
माँ की ममता माँ का प्यार
माँ की आँखों के तारे हम ,
घर के राज दुलारे हम



शौर्य
तीसरी सी

दादा दादी पर कविता

बात करे उन फूलो की
जिनसे महका ये उपवन है,
जो सुबह की चाय ,
दोपहर का अलार्म और
शाम की थकान को करे कम है ,
जिनकी ममता में एक अलग ही महक है,
और जिनके सीख से जीवन को दिए पंख है,
दादी दादा तो वो फूल है
जो हर बाग में नहीं खिलते है,
वो खुशनसीब होते है
जिन्हें दादी दादा मिलते है .



आर्यन राय
तीसरी सी

कौन हूँ मैं?

मैं रानी हूँ पर इंसान नहीं हूँ।
मेरा कई रंग है,
वो लाल पीले सफ़ेद और इत्यादि
आप मुझे जानते हो,
आप मुझे पसंद करते हो।
कौन हूँ मैं?
आप मेरा उपयोग सम्मान करने में करते हो।
आप उपहार देने के लिए मेरा उपयोग करते हो।
आप सजावट में मेरा उपयोग करते हो।
आप मुझे अपने बालों में लगाते हो।
कौन हूँ मैं?



करुणा श्री
चौथा डी

शरद पूर्णिमा

पूनम का चांद शरद का चांद ,
आभा मंडित अद्भुत वरदान ,
अमृत वर्षाता नभ नक्षत्र जब,
जीवन सरसाता धरा धाम पर ॥
परंपरा हमारी शरद पूर्णिमा ,
आलोकित करती नभ मंडल ,
अटल विश्वास बरसाती उर्जा,
हर्षित धरती ,होता जन मानस ॥
परंपरा वैदिक विज्ञान की यह,
चल रही हमारी धरा धाम पर ,
प्रकृति से आगे विज्ञान कहां है,
हमसे ऋग्वेद ऋचाएं कहती हैं ॥
वेदों का ज्ञान बहुत दूर है हमसे,
अनुपालन करना भूल गए हम ,
शिक्षा का स्तर लुप्त हुआ जब ,
विशिष्ट ज्ञान तो खोया है हमने ॥
जग जागा है अब हुआ सबेरा ,
शिक्षा पर अनुसंधान हुआ अब ,
धरती का कण कण प्यासा मन ,
वावला जीवन का प्यारा क्षण ॥
अब लौट चलें वेदों के पथ पर,
प्रकृति पुरुष का करें अभिनंदन,
शरद पूर्णिमा छलका अमृत कण,
नव जीवन सुंदर कथा मनोहर ॥
निर्मल निश्चल शरद पूनम बन ,
आया आभामंडित चंद्र किशोर,
बन कर मेरी चातक की प्यास,
अनुप्राणित करता शरद का चांद ॥



रितु मान

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका हिंदी

कथा_गधा और धोबी

एक निर्धन धोबी था ।उसके पास एक गधा था । गधा बहुत कमजोर था क्योंकि उसे बहुत कम खाने-पीने को मिल पाता था ।

एक दिन धोबी को एक मरा हुआ बाघ मिला । उसने सोचा "मैं गधे के ऊपर इस बाघ की खाल डाल दूंगा और उसे पड़ोसियों के खेत में चरने के लिए छोड़ दिया करूंगा किसान समझेंगे कि वह सचमुच का बाघ है और उससे डरकर दूर रहेंगे और गधा आराम से खेत चर लिया करेगा ।

धोबी ने तुरंत योजना पर अमल कर डाला उसकी योजना काम कर गई ।

एक रात गधा खेत में चर रहा था कि उस के पैर में कील लग गई उस दर्द से वो जोर - जोर से कहराने लगा।

गधे की आवाज सुनकर किसानो को उसकी असलियत का पता लग गया और उन्होंने गधे की खूब पिटाई की।

इसीलिए कहा गया है कि अपनी सचाई नहीं छिपानी चाहिए।



मयंक उईके
सातवीं स

मुन्नी का घर

मुन्नी एक छोटी लड़की है।
वह सुबह सवेरे जगती है।
कुल्ला करती मुँह को धोती,
फिर दाँतों को घसती है।
देखो- देखो प्यारे बच्चों,
कैसे मुन्नी मस्ती से हंसती है।
घर के पास पेड़ है, झूला उस पर ढेर है।
चढ़ जाने की देर है, अभी बहुत सबेर है।
देखो- देखो प्यारे बच्चों,
कैसे मुन्नी मस्ती से हंसती है।



-राम प्रताप
पी आर टी

हम सभी बच्चे हैं-

हम सभी बच्चे हैं,
दिल के बड़े सच्चे हैं।
सुबह सवेरे उठते हैं,
मुँह धोकर फिर पढ़ते हैं।
पढ़- लिखकर जब उठते हैं,
दूध- रोटी खाते हैं।
थोड़ा नाच लेते हैं,
गाना भी गा लेते हैं।
मम्मी तभी बुलाती हैं,
प्यार से हमें नहलाती हैं।
कुछ बच्चे जो रोते हैं,
मम्मी उनको धोती हैं।



-राम प्रताप
पी आर टी

शिक्षा में हिंदी का महत्व

हिंदी, भारत की राष्ट्रभाषा के रूप में चयन की गई है, जो एक विविध और समृद्ध भूमि के सभी भाषाओं के बीच सामंजस्य बनाए रखने का माध्यम है। यह निबंध हिंदी भाषा के योगदान को तीन मुख्य क्षेत्रों - राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता, और सामाजिक समृद्धि - में विस्तार से विवेचित करेगा।

राष्ट्रीय एकता में हिंदी का योगदान:

हिंदी भाषा ने भारतीय समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भाषा विभिन्न भूखण्डों और सामाजिक वर्गों को एक साथ आने का माध्यम है और राष्ट्र के भिन्न-भिन्न हिस्सों में भारतीय एकता की भावना को बढ़ावा देती है।

विभिन्न भाषाओं के साथ समरसता:

हिंदी ने विभिन्न भाषाओं के साथ समरसता का सूत्रपात किया है। यह भाषा सामूहिक समरसता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और भारतीय समाज में भिन्नता के बावजूद एक आत्मनिर्भर राष्ट्र की भावना को बढ़ावा देती है।

भाषा का सांस्कृतिक विवाद:

हिंदी भाषा ने कभी-कभी सांस्कृतिक विवादों का सामना किया है, लेकिन इसे एक सांस्कृतिक अधिकार का प्रतीक भी माना गया है। यह भाषा भारतीय सांस्कृतिक विविधता को समर्थन करने का साधन बनती है और सांस्कृतिक संघर्षों को शांति और समरसता में बदलने में मदद करती है।

अलग-अलग भाषाओं के साथ सांस्कृतिक संघर्ष:

हिंदी के साथ विभिन्न भाषाओं के बीच सांस्कृतिक संघर्षों का सामना होता है, लेकिन इसे समर्थन करने वाले और समर्थन मांगने वाले भी हैं। यह भाषा एक सामंजस्यपूर्ण समाज की ओर बढ़ती है और भाषा के माध्यम से भिन्नता को समृद्धि का हिस्सा बनाती है।

हिंदी को सांस्कृतिक अधिकार का प्रतीक:

हिंदी भाषा को एक सांस्कृतिक अधिकार का प्रतीक माना जाता है जो भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने में मदद करता है। यह भाषा भारतीय विरासत की अमूल्य धरोहर को सजीव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उसे आगे बढ़ाने में सहायक होती है।

समृद्धि और समाज में हिंदी:

हिंदी भाषा का योगदान व्यापार, रोजगार, और विकास में भी है। यह भाषा व्यापारिक और आर्थिक संदर्भों में सहयोग प्रदान करती है और अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करती है।

सामाजिक समरसता का सशक्तिकरण:

हिंदी भाषा ने सामाजिक समरसता को सशक्तिकरण किया है, जिससे समाज में सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनता है। यह भाषा भारतीय समाज को समृद्धि और सामाजिक न्याय की दिशा में सशक्त करती है और सभी वर्गों के बीच समानता की भावना को बढ़ावा देती है।

समापन:

इस प्रकार, हिंदी भाषा ने भारतीय समाज को विभिन्न क्षेत्रों में समृद्धि, सामरिक समरसता, और सांस्कृतिक विवादों के बावजूद एक साथ लाने में सहायक होती है। यह भाषा एक सकारात्मक दृष्टिकोण और समृद्धि की दिशा में भारतीय समाज को मार्गदर्शन करती है।

भावना

टी.जी.टी.हिंदी

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय काँ
सूल

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हिंदी साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चंद्र का योगदान अतुलनीय व अद्वितीय है। उन्होंने न केवल हिंदी खड़ी बोली को मार्ग प्रशस्त किया बल्कि अपनी कालजयी रचनाओं से हिंदी साहित्य को भी समृद्ध किया।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी का रचनाक्षेत्र विस्तृत था। उन्होंने कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, यात्रा वृत्तान्त, आत्मकथा, व निबंध आदि अन्य साहित्यिक विधाओं पर अपनी लेखनी चलाई। हिंदी में नाटक लेखन की शुरुआत करने का श्रेय भारतेन्दु हरिश्चंद्र को ही दिया जाता है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (9 सितंबर 1850-6 जनवरी 1885) आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह कहे जाते हैं। उन्हें हिन्दी साहित्य में आधुनिकता का पहला रचनाकार माना जाता है। उनका मूल नाम 'हरिश्चन्द्र' था, 'भारतेन्दु' उनकी उपाधि थी। भारतेन्दु जी का कार्यकाल युग की सन्धि पर खड़ा है।

उन्होंने रीतिकाल की विकृत सामन्ती संस्कृति की पोषक वृत्तियों को छोड़कर स्वस्थ परम्परा की भूमि अर्पनाई और नव सृजन किया। हिन्दी साहित्य में आधुनिक काल का प्रारम्भ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से माना जाता है। भारतीय नवजागरण के अग्रदूत के रूप में प्रसिद्ध भारतेन्दु जी ने देश की गरीबी, पराधीनता, शासकों के अमानवीय शोषण का चित्रण को ही अपने साहित्य का मूल उद्देश्य बनाया। हिन्दी को राष्ट्र-भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने की दिशा में उन्होंने अपनी प्रतिभा का उपयोग किया। हिन्दी साहित्य और भाषा के लिए भारतेन्दु जी द्वारा दिया गया योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी लेखनी से हिन्दी भाषा व साहित्य को नई दिशा दी। आज जो हिन्दी भाषा और साहित्य की गरिमा और महत्व पूरे विश्व में हैं उसका श्रेय भारतेन्दु जी को ही जाता। भारतेन्दु जी कि काव्य प्रतिभा भी वृहद थी। उन्होंने प्रेम गीत, देशभक्ति कविता, बाल कविता, गजल आदि अन्य काव्य विधाओं पर रचना की।

संगीता
टी.जी.टी. हिन्दी

संस्कृतभाषायः महत्त्वम्

- 1- संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति।
- 2- प्रचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म ।
- 3- कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन् किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते ।
- 4- सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव संति ।
- 5- संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति।
- 6- संस्कृतभाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते तदेव अद्यतः सहस्रत्रवर्षपूर्वम् अपि आसित।
- 8- संस्कृतभाषाया : स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक अस्ति।
- 9- अस्य व्याकरणं पूर्णतः : तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति।
- 10- संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूताभाषा अस्ति।
- 11- अतएव उच्यते – संस्कृताश्रिता।

केचन कथयन्ति यत् संस्कृतभाषायां केवलं धार्मिकं साहित्यम् वर्तते- एषा धारणा समीचीना नास्ति। संस्कृतग्रन्थेषु मानवजीवनाय विविधाः विषयाः समाविष्टाः सन्ति। महापुरुषाणां मतिः, उत्तमजनानां धृतिः सामान्यजनानां जीवनपद्धतिः च वर्णिताः सन्ति। अतः अस्माभिः संस्कृतम् अवश्यमेव पठनीयं येन मनुष्यस्य समाजस्य च परिष्कारः भवेत्। उक्तञ्च-

अमृतं संस्कृतं मित्र !

सरसं सरलं वचः ।

एकतामूलकं राष्ट्रे

ज्ञानविज्ञानपोषकम् ॥



श्रीमती जयश्री प्रधान
टी.जी.टी.संस्कृतम्

కన్నయ్యా!*
 ఏమని రాయాలి
 నీ గురించి
 యమునా తరంగాల లాగ
 ఉయ్యాల ఊగుతున్నావా!
 రామ చిలుకవై
 చెట్టు తొరలో దాగున్నావా!
 సీతాకోకచిలుకవై
 నాకోసం వెతుకుతూ
 తిరుగుతున్నావా!
 తుమ్మెదవై
 కమలాల మధ్య
 మత్తిల్లి నిద్ర పోతున్నావా!
 రాయించవై మానస విహారం
 చేస్తున్నావా!
 మయూరమై *నాట్యమాడుతున్నావా!*
 హరిణమై వన విహారానికి
 కోయిలవై మామిడి చెట్టు
 ఆశ్రయించావా!
 ఎక్కడని వెతకను చెప్పు!!

తిరునగరి సంపత్ కుమార్

టీ. జీ. టీ. సంస్కృతం

చేస్తున్నావా!*

మయూరమై *నాట్యమాడుతున్నావా!*

హరిణమై వన విహారానికి

కోయిలవై మామిడి చెట్టు

ఆశ్రయించావా!

ఎక్కడని వెతకను చెప్పు!!

తిరునగరి సంపత్ కుమార్, టీ. జీ. టీ. సంస్కృతం

అక్షరం వందే జగద్గురుమ్...

మాతృ భాష దినోత్సవం శుభాకాంక్షలు లతో...

అమ్మ అనే పదం అమృతమే,

ఆమె లేనిదే సృష్టి లేదు.

ఇంటికి దీపం ఇల్లాలు అమ్మ,

ఈనాడు వెలుగులు విరజిమ్మే

ఉత్తమ స్త్రీ మాతృ మూర్తి,

ఊపిరి ఉన్నంత వరకూ

ఋణము తీరుస్తుంది.

రూపంలో ఆమె సౌశీల్యం,

అందుకే మాతృ మూర్తి కిరీటి,

అందాలతో అ ఆ ఇ ఈ లు,

అచ్చమైన ఆమ్రేడితాలు,.....

అందుకే మాతృ భాష కు

వందనం, అభివందనం, శుభాభినందనలు..

అక్షరాలు వెన్నెలలో తెలుగు పదాల వెలుగులు,

▶ అందుకే మాతృ భాష కు అక్షర సుమ మాలికలు తో,

అక్షరం వందే జగద్గురుమ్.... ధీ ధీ ధీ ధీ ధీ ధీ....

రచన...

తిరునగరి సంపత్ కుమార్

టి. జీ. టీ. సంస్కృతం

విద్యార్థి

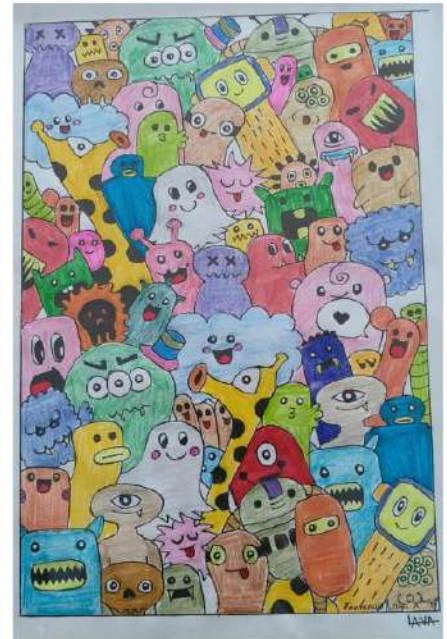
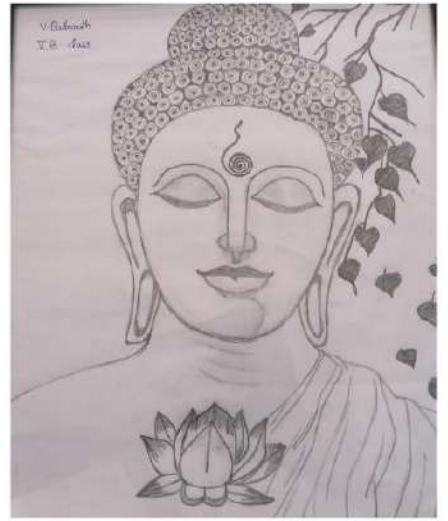
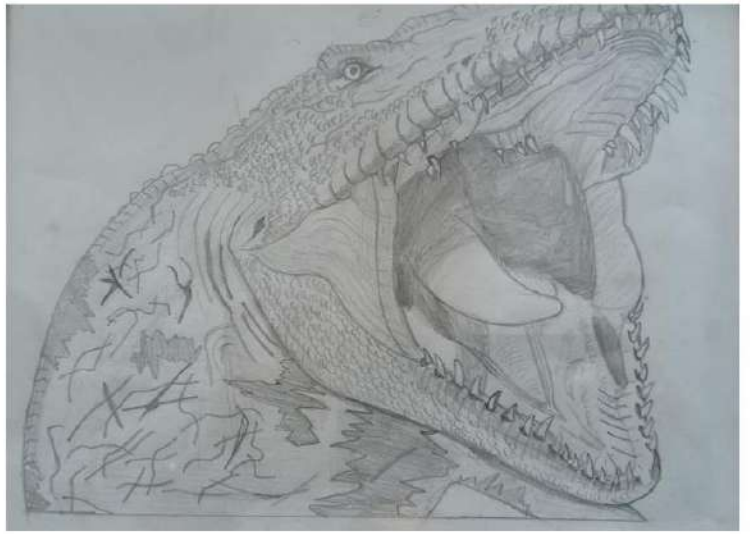
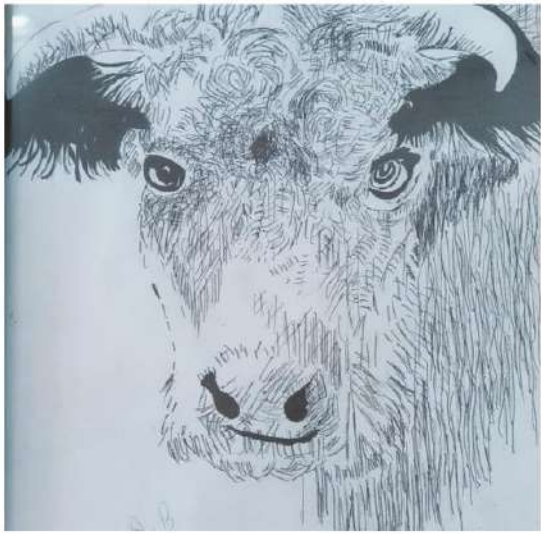
సాధారణంగా పాఠశాలలో , కళాశాలలో లేక విశ్వవిద్యాలయాలలో విద్యను అభ్యసించే వ్యక్తిని విద్యార్థి అంటారు. ఒక వ్యక్తి చక్కగా చదువుకొని, మంచి ఉద్యోగం తెచ్చుకుంటే, అతని చదువు ముగిసింది అంటూ ఉంటాం. కానీ అది తప్పు. పుట్టిన దగ్గర నుండి మరణించేదాకా అందరు విద్యార్థులే. చదువు అన్నది పాఠ్యపుస్తకాలకి మాత్రమే పరిమితం కాదు. జీవితంలో ప్రతి రోజు మనకు జరిగే అనుభవాలు మనకు పాఠాలు అవుతాయి. దీనికి పుస్తకాలతో పనిలేదు. మన అనుభవాలు, పక్క వారి తీరుతీర్పులు, సమాజం గురించి మన అవగాహనకు ఎంతో తోడ్పడుతాయి. మనలో జిజ్ఞాస ఉంటే. ప్రయత్నపూర్వకంగా. మన జ్ఞానాన్ని పెంపొందించుకోవచ్చు. వాటిని ఉపయోగించుకొని, జీవితాన్ని మలుచుకోవటంలో మన విజ్ఞత ఇమిడి ఉంటుంది. చదువు మనల్ని ఆలోచింపజేస్తుంది. దీపం చీకటిని ప్రాలతోలి కాంతి నింపినట్లు, చదువు మనకు హేతువుబదమైన ఆలోచనా సరళి నేర్పిస్తుంది. మన దృక్పథం విస్తారమవుతుంది . మన జీవితం జరిగే ప్రతి ఘటన మనకు నేర్చుకునే అవకాశం కల్పిస్తుంది. దానినుంచి మనం ఏమి నేర్చుకోవాలి, ఎంత నేర్చుకోవాలి అన్నది ఏ పుస్తకంలో ఉండదు. అది మన ఆలోచనా, విజ్ఞత మీద ఆధార పడుతుంది. జీవితమనే ఈ పాఠశాలలో మంచి విచక్షణ తో, ఒక బాధ్యత గల పౌరులుగా మీరందరూ ఎదగాలని, నిరంతరం కొత్త విషయాలు నేర్చుకుంటు, ఒక చేతన్యవంతమైన జీవితం గడపాలని ఆకాంక్షిస్తూ ఆశీర్వాదిస్తున్నాను....

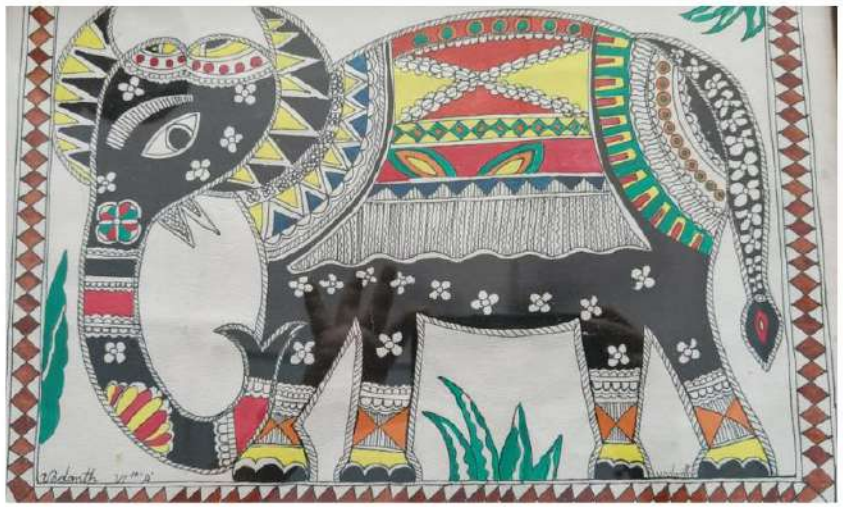
మాధవి

టి జి టి గణితశాస్త్రం



ART AND CRAFT





EXAM WARRIORS

There are many times in life when we fall down
Failure getting the best of us
Drowning in loneliness, no one understanding
Letting negative thoughts get a grip on us
Still, we must understand- crying about it is of no use
So wipe those tears and get up,
Remember, God has given this life with a purpose
So find that and do not stop till the goal is achieved
Make the world appreciate you,
And never ever let them pull you down.

- Sanjana C,11A



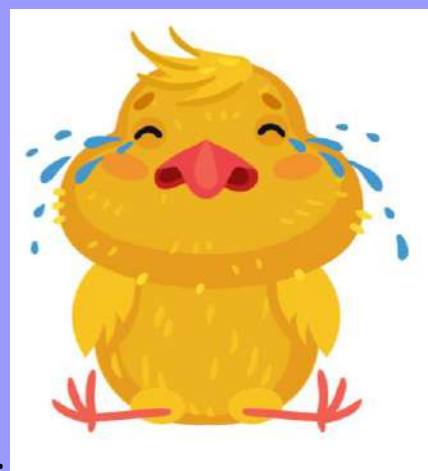
EXAM WARRIORS

Every student has written exams almost all their life. But it is something that causes fear, so much fear that we forget everything that they have studied so hard for. The fear of failure gets the best of us, but we have to learn how to overcome our fear because as the saying goes "FAILURE IS THE NEXT STEP TO SUCCESS". It is okay to fail but overcoming this fear of failure makes us the real warriors. We have to learn from our mistakes and improve them and be better next time. We should not get depressed by our failures in exams. Instead, we should learn from our mistakes. We should not pay any heed to what others say and should be two steps ahead of yesterday. And do four times better tomorrow than today. The pressure from our parents, teachers, or friends should not bother us that much. But yes, some of the pressure is required so that it keeps us motivated to study harder and do better next time. Just as Modiji said in 'Pariksha pe Charcha' exams are like festivals. Just the way we prepare for festivals, we should also prepare for exams. This will make us feel less stressed and enjoy the exam just the way we enjoy festivals.

-B. V Shukrethi

CRIES OF CHICKEN.!!

I'm a little chicken,
Please don't kill me..
I have my own dreams,
Please forgive me..
I too wanted to see,
I too wanted to enjoy,
This beautiful world given to me..
I wanted to do some fun,
Please let me be a living one..
I also wanted to feel,
Please don't eat me as a meal..
I too want to grow,
I too want to play,
But you cruel men eat us everyday..
At least be kind to your God..
Respect the creation of the lord..
I can hear my MaMa's yelling,
Stop those rituals of killing..
No God will forgive you
For the harassment done by you..
Stop this cruelty,
And forgive us please..
Let us live happily..
Otherwise, you will have the same fate
Late Forever, to change your destiny..!!



- Ardhi Vedika , 12C

In Pursuit of wisdom's light

It's time.

It's time to get up and start.

Learn every part

This is truly an art.

With pens as swords

And books as shields

They marched forward into the test's crusade,

Each question was a challenge ;a foe to slay.

There will be a day to honour these warriors.

Who are the greatest carriers

of knowledge.

In the pursuit of wisdom's light,

They all shine exquisitely bright.



-Sreemayi A.R
[IX B]

MY BEST FRIEND

No other Friend is as magnificent as you
No other Friend could do
Precisely what you do
No other Friend could be
The part of my dreams
No matter how weird it all seems .



You are the one who is always there
For me when I am depressed
Your lovely hug and cool smile
makes you an angel
who is beautifully dressed

We always have fun when we are together
No matter what the weather!
No other Friend could understand me, the way you do

I don't know what I would do
Without a Friend like you
Without a Friend like you.

-MANISHA VISHNOI
IX - B

MY SECOND HOME

My school is like a second home,
A place where I am never alone,
Where teachers guide me with care,
And friends are always there.
From morning till the sun sets,
The school is where my heart rests,
Where books, games, knowledge meet,
And memories are forever sweet.
The corridors echo with laughter and glee,
As students run around carefree,
The playground is where we play,
And make memories every single day.
The classrooms are where we learn,
And knowledge is our only concern.
With pencils, pens and books in hand,
We strive to understand.
It's a place that will always hold,
A special place in my heart of gold.



- Shraddha Yadav
IX-B

Reality or dream

Once upon a time, there was a village named Sonpur. It was full of lush beautiful greenery. There lived a detective boy named Karthik in the village.. He was very intelligent, smart, and a famous detective. Near that village, there was a forest filled with animals and birds. In that forest, there was a haunted house. It was a big mansion with many rooms. There was a rumour that whoever went to that haunted house and stayed for even one night there, would not come back alive. When Karthik heard about this, he was shocked and decided to go there to investigate.

The next day he went to the haunted house, it was very scary. He heard scary sounds, but he was not at all scared. He slept there. At midnight a ghost with big red eyes and long teeth came near him and called his name. He smiled and the ghost was surprised to see that he wasn't afraid. She slapped him and opened his eyes to see that it was just a dream. His mother was waking him telling him to get ready for school. Then Karthik told himself that it was just a dream.

-Shikha

THE POWER OF MANIFESTATION

In the modern world, it is generally seen that people get upset over small things. They have no idea how to overcome their problems. When they are stressed they think negative thoughts and those thoughts bring them negative situations or a situation worse than the earlier one. However, this problem can be mitigated just by a simple practice which is Manifestation.

Now the question arises -what is Manifestation and how does it work? The answer to this question is Manifestation is the practice of thinking aspirational thoughts with the purpose of making them into reality.

In simple words, manifestation means we get what we think. It seems very easy to think positively but when it comes to reality it is quite difficult to apply it in our practical life. If you keenly observe your life, you'll understand that everything that you have now in your life is the end product of what your past thoughts and actions were. Sometimes, we don't realize but we sow the seed of negative thoughts and ultimately end up in facing undesirable situations.

Manifestation also works on **law of attraction** which means that we attract everything in our life whether it is positive or negative . So it clearly means that you're able to get what you want by changing your thoughts and focusing on one desire. You start feeding something and it manifests like that. To get the positive outcomes in your life , you need to make affords, you need to practice how to think positively, you need to look upon our thoughts, you need to attract favorable situations in your life.

There are variety of techniques that you can use to boost your manifesting power. These help you to focus and deliver your intentions to the universe and ultimately the universe will respond to it the way you want.

If you are a **Daydreamer**, then you are already one step close to the process. Visualize what you want , include every detail regarding the thing you want to experience in your life.

Imagine it,

Feel it ,

receive it .

Imagine what you want in your life right now or after sometime, feel the way you want the things to be happen to you, and ultimately you will receive the thing the way you imagined or wished for. If you give signals to the universe, the universe will definitely respond to you and gives you whatever you want in your life.

Another technique is **scripting**, it is somehow similar to visualizing, the only difference is it involves writing the story of what you want to happen . Write it in the way that it is already happened and feel it in the same way. It is important to be creative when you are writing your destiny, use all your sense , feel excited .

Writing uses different neurological pathways than visualizing or thinking about something. The thing which you need to keep in mind is that you aren't going to get just by thinking about it. It's a myth that majority of folks associate with manifestation.

If you understand the concept correctly and try to make affords regarding the concept then only you are able to receive what you wished for . We often read quotes about positivity and self development, it stays with for a few moment but it vanish from our memories once we met an undesirable situations. This is what to be avoided by one when you make affords to use the power of manifestation . It is not an one time practice, it is a dynamic process . It is mandatory to keep your vibration in alignment with your desires .

To sum up, Manifestation is a great tool for anyone looking to improve their lifestyle. It's truly a powerful gift from the universe.

Sakshi Juneja

TGT English

MY PERSONAL EXPERIENCE ABOUT MY TRADING JOURNEY

It was a time when I used to get pocket money from my parents at the age of 13 years .The pocket money I used to get was only 2000 /- per month

All of us know the prices of goods are rising day by day in the market. So, I was unable to manage in just 2000/- for the whole 30 days - a full month. So, I just decided to start a side hustle to earn a good income for myself, so I started **trading** and **drop-shipping business** online.

Day by day I progressed in my trading skills and developed a drop-shipping website and started selling products like Men's analog watches, T-shirts and sneakers. By the time I passed Class X,I was very confident and well acquainted with the e-marketplace.

Now I wanted to take my first step in the stock market where billions of people have already started earning a good steady income. At that time my drop shipping business was finished as I suffered a big loss. I didn't even get the amount I invested so I just quit my drop-shipping business.

I started focusing on my trading skills and soon after that I started earning good income from my trading and stock market. My father was very happy and I felt very appreciated for the work I have done at this age. I just want to share the journey I made possible at the age of only 16 years. It was a journey from Rs. 2000/- per month given by my father as pocket money to 7K – 10K per week and 40,000 monthly earned by me. This makes me so proud and appreciated too.



RISHAB YADAV

11 B

DILEMMA - SCIENCE OR COMMERCE

I am Tahareen. Now I study in 11th B- the Commerce stream. When I passed my 10th class, I was very confused which stream to select in Class 11th. My mother suggested to select the subjects my brother was studying. I also thought if my brother is good at these subjects and he can score good marks there, I can also do so.

After a few weeks of studying Maths, Physics and Chemistry, I felt why I got myself into this stream. My friend was in the commerce stream and she would always tell me about her day and what they studied in Accounts and Business Studies. She told about the unique way of Guruva Reddy sir's teaching. After listening to her, I used to feel that it was very interesting stream.

I used to feel sad, lonely and left out because in Section A. I had no friends. None talked to me. I finally, decided to switch my stream to Commerce.

When I decided to change my stream, I thought my parents would not agree with my decision because they wanted me to continue my academics in Science stream and become a doctor. But my father agreed with my decision and uttered one line that made me feel very emotional. He told me that nothing was more important than his daughter's happiness.

The next day, my father immediately applied for change in the stream from Science to Commerce. Joining commerce was altogether a good experience. I got my friends back. Then I realized commerce is not only good but the best for me. Accounts and Business Studies are very interesting subjects which made me realize that I made the right choice.



TAHAREEN

XI B

HOW I GOT TO KNOW ABOUT ANIME

One day my friends and I were talking about Anime series and movies. That day I was not aware of the anime series, so I decided to watch it once. There is a website named **Zoro.com** which was suggested by my friend. So I downloaded the application and started watching the series. I started watching a well-known and famous series named as **Naruto**. In the story, There was a child named **Naruto Uzumaki**, when he was a small child, his parents died. He was alone all day, with no friends so he decided to be happy and become a **Hokage (A title bestowed on the village's leader)**. In that movie, there were so many fighting scenes related to the Ninja Techniques and there were so many things to learn. I liked that so much and watched all the episodes.

My favorite character in Naruto was "MADARA UCHIHA" because he was powerful enough to defeat everyone. He knew all the tricks and only her friend could defeat him. My favorite dialogue in the episode was "I AM THE GHOST OF THE UCHIHA MADARA UCHIHA". There were so many clans of different powers, and one who was the strongest in the clan would become the Hokage (Leader).

Naruto's sensei was **KAKASHI HAKTAKE** he was also known as **Copy Ninja** because he copied **1000+ Jutsu by his Sharingan**. After KAKASHI his next sensei was **Jiraya**. He was legendary and a master, he taught Naruto high level jutsu and made him **Hokage**. I watched many other Anime like, Death Note, Tokyo Revenge, Demon Slayer, etc. But I liked Naruto so much because it was very funny, and emotional and had awesome actions. It was difficult to get in Hindi dubbed but once I found I will watch it again because it would be funnier and more enjoyable in Hindi.



**TEJAS KUMAR
XI 'B'**

THE CITY OF DREAMS "BOMBAY"

Bombay, which is now known as Mumbai is considered as the city of dreams. It's such a beautiful city with tall buildings. I always like skyscrapers touching the blue sky .

Bombay is also known for its beaches and the way they celebrate festivals.

Ganesh Chaturthi is the most loved festival celebrated in Bombay and it is celebrated quite differently from other places. During the visarjan everyone just goes crazy. There's music blasting everywhere and colours, lots and lots of people dancing around, celebrating every moment they can have.

The most famous and go-to food in Bombay is Vada Pav which has a deep-fried ball made of potato and lots of flavors. The pav, which is toasted in butter is served along with the mint chutney.

At last, Bombay is known as the city of dreams because people think that this is the place where dreams come true. Along with that, Bombay has beautiful rains but sometimes rains get worse. Lonavala, near Mumbai is a rain destination that has resorts and amazing places where you can spend your holidays.



TANISHA

XI 'B'

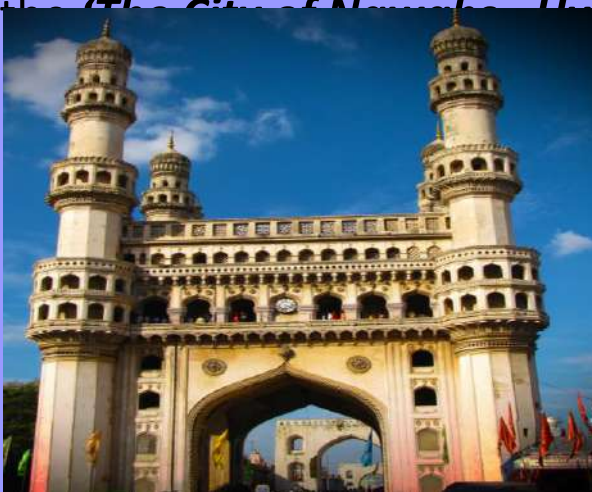
THE CITY OF NAWABS

Firstly, whenever I think about my city I just feel very happy to live in this beautiful place. Since my childhood I have been living in Hyderabad. Whenever we talk or discuss about Hyderabad, the First thing that comes to mind is Hyderabad's famous places like Charminar, Hussain Sagar, etc. I have noticed that Hyderabad has developed in lot of ways, like infrastructure, technology, upkeep of tourist places, etc.

If you ask me , I would say that people of Hyderabad are very loving and sweet. From my point of view everyone should visit Hyderabad once in their life time. Hyderabad has very good educational institutions.

Hyderabad is well known for its delicious food. It is the birthplace of Hyderabadi Biryani, Haleem and other special delicacies . Tourists also visit Hyderabad and explore it in many ways. For example,they visit different tourist places like Charminar, Makkah Masjid, Hussain Sagar, Ramoji flim city, Wonderla, etc. They can also purchase jewelry made of pearls, handicrafts, handloom etc. I have visited a lot of places in Hyderabad like: Tank Bund, Charminar, a lot of famous mosques and beautiful gardens.

Hope you visit these places and like the experiences in the *'The City of Nawabs Hyderabad'*.



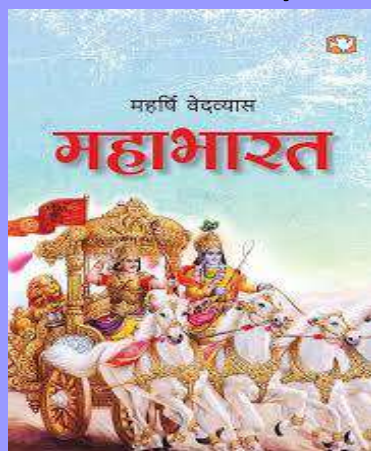
SOHA FATHIMA

XI 'B'

MY FAVORITE BOOK

There are so many books in this world but the one which I loved the most is “**THE MAHABHARAT**”. This epic is my favorite book, The story was so interesting that I thought to complete the book in a month but I completed it in just 15 days. The story is all about the war between **Pandavas** and **Kauravas**. My favorite character in this story is Abhimanyu, the great fearless warrior who was the son of Arjun. Everyone thinks that **Kauravas** are the evil ones but I don't think so, because they took very good care of people in the kingdom but their jealousy towards the **Pandavas** and greed towards their kingdom made them evil.

I think everyone should read this book from kids to senior citizens because it teaches so many life morals. Parents should read out this story to their children. I think not only Mahabharat but other mythological stories are also very interesting. In my home, I have many mythological books like Mahabharat, Ramayan, tales of Hanuman and Bal Ganesha. We Indians don't know much about our own history, myths and legends .We should know it . For that, we need to read many historic and mythological books.



Y. KETHAN RAM
XI 'B'

GHOSTLY EXPERIENCE: A CALL.....

One day, I was watching TV with my siblings. Nobody was in the house except me, my 2 brothers and my sister. We were watching a movie. Suddenly an old mobile phone rang, firstly, we ignored it. We didn't bother much about it. Then it started ringing continuously. It was so annoying that we were not able to watch the TV. So I asked my sister to go and receive the call. She, went and received the call and said "Hello!?" From another side a person spoke "Hello, Myself Rajesh" then phone got disconnected. My sister came back and we continued watching TV.

When the family returned, we told them about this incident. Then they told us that the phone was dead and there was no SIM card in that phone. After listening to this, we all got stunned. I ran towards the phone to check. I saw it was switched off and it was without sim card . I and my siblings still feel horrified when we talk about this incident.



DEEPAK KUMAR
XII 'A'

MY FAVOURITE HOBBY

There are so many experiences which will I would remember for lifetime- my first day at college, going for a trip with my friends and so on but the most beautiful experience out of all those was the first dish prepared by me.

It was during the holidays after the completion of my 7th standard. The first dish made by me was an Italian dish called Ravioli, I still remember that day. It was Sunday, March 23rd, and the time 4.00 pm in the afternoon and my mom was teaching me how to make pasta dough. It was one of the beautiful moments of my life. After preparing Ravioli, I was so excited to taste it. Although the taste was not good, my mom tried to encourage me by praising my dish.

That day is the one that I would cherish for rest of my life. Since that day, I have felt excited to try a new cuisine, and that way, cooking has become my favorite hobby.



A. SAKETH RAM

XI 'B'

SPORTS

Sports is something which is liked by the children of all ages . Some examples of childrens' favorite sports are Cricket, Football, Basketball, etc. There are lots of benefits with sports and games like fitness of our body, good growth of bones, learning discipline, team work ,co-ordination etc., etc.

I love to play cricket. I have been playing cricket since I was 10. Now, I am 17. I am an all-rounder. – a good batsman, bowler and a fielder. I scored a century many times in Cricket matches and won ' Man of the Match'. I follow the techniques of M S Dhoni and Virat Kohli . I like Dhoni as he is the most powerful player. I have learned something about cricket from this player. I have started watching every IPL Match. I am going for training to Iqbal Training Academy so that I can improve my cricket skills. God willing, one day I may become a great cricketer and my country would be proud of me .

RAJ KUMAR

XI 'B'



FRIENDS

‘Friends’- This term refers to a special bond in life. They are important part of life: sometimes more important than family. The memories we get from them are just priceless and the happiness knows no bounds when we are with them. We say that we come to school to study . I don't think this is true, we go to school to spend the whole time with friends, studying, playing and gossiping about all things under the sun. In harder times friends give more comfort than parents. The more I get close to them, the more I know myself.

I have a girl group that we all named "BESTBUDDIES". Since I joined the school, they all have been there. I can't believe that we almost spend 10 years, "Friends are like a balloon. If we leave, the balloon will fly away, If I hold them tightly the balloon may not go anywhere. True friendship is when we all don't get jealous of each other. Friends are always supportive of me. We even talked in code languages and we also helped each other in hard times like completing notes, and explaining about what is good and what is bad. I have a hope that we all will be together till the end of life. In the end, I want to say that life is not enjoyable without friends.



P. KEERTHANA

XI 'B'

SOCIAL MEDIA

Nowadays social media has become a big threat. Sometimes it is useful, but sometimes it may not. We use so many Apps like Instagram, Snapchat, Facebook. Whatsapp, Telegram, Twitter, etc. for our conversations with friends & family.

On Instagram & Facebook we post our pictures & our details also. If the accounts are in public, identity theft becomes easy. Nowadays, AI Boot software has been developed by some hackers. If they use this software our pics can be tampered with, our voice may be copied and we can be blackmailed. Many people have also fallen into the trap of hackers.

Many a time we hear the same story- A girl's posts has been hacked and then hackers used the software to prepare Deep fake videos and demanded money. She didn't pay so they posted her objectionable pictures on all sites. Her parents also blamed her for this because her account is in Public view. She committed suicide. This is not a single incident that has happened. Social media can be useful if we use for a good purpose. Every single day we hear of such incidents happening but we don't learn a lesson

Students should study using apps like Topper, Byujs, Vedantu, Brainly etc. and learn concepts, not waste their time, money, and energy on useless pursuits like earning money by playing games , reel –making etc. they need to be wise and make better choices.



MADHULIKA. Y
XI 'B'

MONEY

Money is very important in everyone's life. It's not only needed for luxurious life, its also needed to have a better life- away from poverty and misery. If we have money people respect us .If we don't have money they won't even, count us among their acquaintances. Many people say money is not important for life, happiness is important. In my view, it is false because money is the only thing that gives you happiness as it gives you what you want. People who have a lot of money spend it carelessly, but the people who have financial problems don't even have money to eat food, educate their children or buy something they desire for. They think twice every time before spending money.

People should know the value of money. They should work hard to earn money and should spend it wisely. If they can, they should extend help to somebody in need. Doing social work is the best use of money . Hoarding it will not help anybody .



M. RITHIKA
XI 'B'

WITH AND WITHOUT MOBILE PHONES

Nowadays I have seen many people & children using mobile phones frequently. When we wake up, it is with checking up messages on our phones. While brushing, eating, and even in washrooms, we are taking the phones with us . Before retiring to bed in the night, we are with our phones, watching reels, videos, etc. not related to us. We are lost in the virtual world. We are oblivious to what is happening around us.

When we didn't have phones, we, our family & friends used to talk, laugh & enjoy the food & shared the joys and sorrows. We used to play with our friends in parks and near our houses.

Now when have mobile phones we don't go out play with our friends. We are always on our phones playing games like Free Fire, PUBG, GTA, etc. While sleeping also we sleep late at 2 am or 3 am while using our phone. Life is better without phones. Using phones cannot be stopped but we need to stay connected with our family members and friends. Limiting the use of mobiles is much needed.



SRIKARI
XI 'B'

MY FIRST DAY in 11TH STANDARD

For the first time when I entered the XI Standard Classroom along with my friend, I saw students from all 4 sections merged in our class. I felt very scared and shy.

When the classes started, the first period was Information Practices. We went to Senior Computer Lab but Sir didn't come as he was busy with some admission work. All the I.P. Students studied English that period.

All the subjects were totally different from the subjects which we had studied till 10th. Those were new subjects except Economics & English. I thought that subjects like Business Studies, Accountancy, I.P. would be hard. But when we started to understand the subject through the teachers who were teaching us with lots of patience, it became easy for us to understand the subject.

All subjects were easy to study and understand. But the only subject which we found really difficult was Economics. On the first day, when Sir came to teach us, he enunciated the words very slowly because he was suffering from fever. He was not able to explain loudly. Now, after a year has passed, we love Economics. We had lunch break at 11:30 a.m.

On the same day, we saw 3 seniors in our class (girls). They came to meet us. They were sweet with us and soon we became friends. They also started teaching us difficult questions which were part of homework.

Finally, the bell rang and my first day was completed here.

G. JEEVITA

XI 'B'

WHY ??..... FAKE HAPPINESS

What has happened to today's generation? Why do they put a fake mask of happiness, though they are hollow inside, full of tension and more of sorrow" What an era was in 2012-2019 when we were children, no responsibilities, no career tension!

Nowadays, people are smiling outside but they are sad inside, They have several regrets like failure in competitive exams, loneliness, isolation, or relationship issue .Why are they worried? Why is social media negatively impacting the whole world? Why today's youth is worrying about small problems? Why do they lack courage to take action ? Why are they indulging in procrastination? They know, they are doing less hard work for their upcoming life events. They know they need to put in more efforts to be better but they lack perseverance.

Sometimes they should just relax and start working. They should be happy , spread happiness and work to make the world a happy place.



**AJAY
12TH 'A'**

SCHOOL LIFE

There is a saying that “school is another home”. It must be true that school is a home for a child who is sent by his/her parents to the school. It is a place of wonders, and memories that child makes in school stays with him throughout his life. Indeed, school is a place of learning but apart from this; the child shapes his / her life at the very first step.

From childhood till he becomes 17/18, he goes to school and gains good as well as bad experiences, learns to behave with people; learns to be honest.. makes friends and of course, loses some.

But this is the place where many can face changes in life. Shaping or ruining life is individual’s choice, but school always helps in shaping life.

No one can forget his/her school life and no one wants to; So enjoy whatever you can in school because after school is over, you have to come out of this beautiful second home.



**SAKSHI
XII 'A'**

MOTHER NATURE'S GIFTS

I give you the flowers and the trees,
I give you the birds and the bees,
Please treat my gifts with loving care,
Remembering who put them there,
Butterflies, flowers, a shrub
And a Tree
Were delicately placed by none other
Than me
This place you deem as your own,
Was always given in trust as a loan.
If you keep it tidy and clean.
In return, I keep it FOREVER GREEN
With love
-Mother Earth

MRINALI RANA
5TH C



MY DEAR TEST

Oh, My dear test
You are my unwanted guest.
You make me busy,
Because you are not easy.

You are preparation,
Practice of calculation
Science requires theory
which often goes out of memory

History needs memorization,
Which is full of confusion.
Civics quite easy
But it also makes us busy
Questions of Physics,
makes us sick.....
The subject of Chemistry,
Full of chemical mystery.
It's reactions Full of contradictions.....

The answer to Biology,
We do that slowly.
Geography nothing easy about
because it is full of doubt



Sindhu
5 C

FEMININE REVOLUTION

Don't cut their wings, but let them fly like a free bird.

Don't think they are useless, but support them for their success.

They are not maids of our house. but they are the ones who will make our country proud.

Even now, the girls cry out - why am I born as a girl.

There is freedom for everyone except girls.

They say "There is no difference between girls and boys" but don't follow their words.

We should not deem a female fit only for cooking, household activities, and giving birth to children, but support her to reach her goals and achieve success. There is no HE without HER

There is no world without her. Let the girl live her dream life long

Let them fulfil their dreams

Save girl child



Aliya Momin Shaik

4 A

शिक्षक दिवस TEACHERS DAY



क्षेत्रीय स्तर ईबीएसबी और कला उत्सव REGIONAL LEVEL EBSB & KALA UTSAV



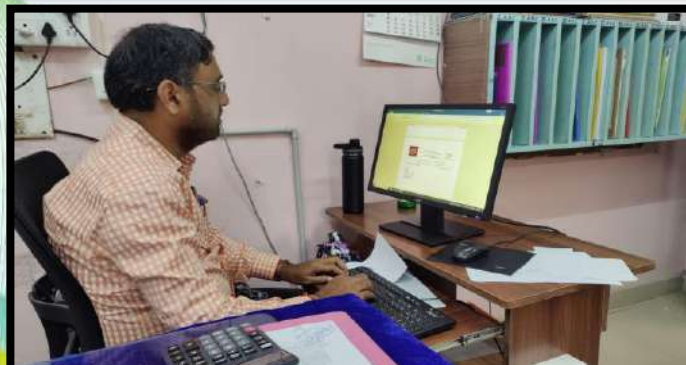
एन सी एस सी

NCSC



हिंदी दिवस

HINDI DIWAS



हिंदी पखवाड़ा

HINDI PAKWADA



श्रमदान एक तरीख एक घंटा

SHRAMADAN- EK TAREEKH EK GHANTA



प्रभात फेरी

PRABHAT PHERI UNDER MERI MATI MERA DESH



स्वच्छता अभियान

SWACHATHA CAMPAIGN 3.0



कैरियर मार्गदर्शन पर विशेषज्ञ वार्ता

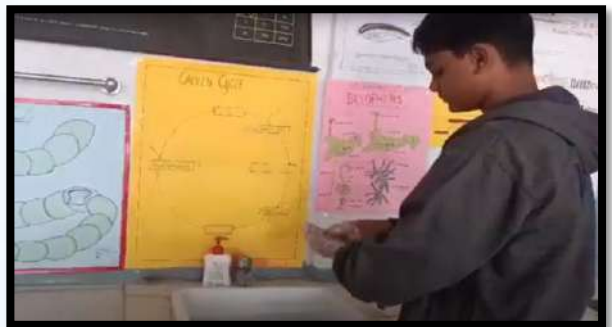
EXPERT TALK ON CAREER GUIDANCE IN THE FIELD OF SCIENCE AND CHEMICAL ENGINEERING AND RESEARCH

Expert: Dr. Sridhar.S, Chief Scientist, CSIR-IICT



वैश्विक हाथ धुलाई दिवस

GLOBAL HANDWASHING DAY



वृक्षारोपण दिवस PLANTATION DRIVE



अमृत कलश यात्रा AMRIT KALASH YATRA



भारती भाषा उत्सव कालिसिन प्रतियोगिता

BHARITYA BHASHA UTSAV - CUISINE COMPETITION



चिकित्सा जांच

MEDICAL CHECK UP



आत्मरक्षा प्रशिक्षण लड़कियों के लिए SELF DEFENSE TRAINING FOR GIRLS (KARATE)



राष्ट्रीय एकता दिवस NATIONAL UNITY DAY (ESSAY WRITING, PAINTING, RUN)



राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता 2023- तीरंदाजी

NATIONAL SPORTS MEET 2023 - ARCHERY



सतत विकास पर विशेषज्ञ वार्ता

EXPERT TALK ON SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Expert: Ms. Somdatta Karak, Science Communication and Public Outreach Officer, CSIR-CCMB



दंत जांच

DENTAL CHECK-UP



युवा मंथन YUVAMANTHAN



बाल दिवस CHILDREN'S DAY (COMMUNITY LUNCH & FANCY DRESS COMPETITION)



राष्ट्रपति निलयम का दौरा VISIT TO RASHTRIYAPATI NILAYAM ON CHILDREN'S DAY



सतर्कता जागरूकता सप्ताह VIGILANCE AWARENESS WEEK PAINTING COMPETITION AND PLEDGE BY TEACHERS



संविधान दिवस CONSTITUTION DAY



तेलंगाना राज्य पाइप बैंड प्रतियोगिता TELANGANA STATE PIPE BAND COMPETITION



प्रश्नोत्तरी और सेमिनार

QUIZ AND SEMINAR ON MILLETS



विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी

SCIENCE AND MATH EXHIBITION



वार्षिक खेल दिवस ANNUAL SPORTS DAY



सशस्त्र बलों पर कैरियर मार्गदर्शन CAREER GUIDANCE ON ARMED FORCES



किशोर लड़कियों के लिए कार्यक्रम PROGRAMME FOR ADOLESCENT GIRLS



कौशल विकास कार्यक्रम HANDS ON SKILL DEVELOPMENT PROGRAM



मिट्टी के बर्तन और पुस्तक बाइंडिंग POTTERY AND BOOK BINDING



के.वि.सं स्थापना दिवस KVS FOUNDATION DAY



स्काउट्स एवं गाइड्स SCOUTS AND GUIDES ACTIVITIES



विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस WORLD ENERGY CONSERVATION DAY



आनंद मेला / सामुदायिक लामबंदी ANAND MELA / COMMUNITY MOBILIZATION



क्रिसमस दिवस समारोह CHRISTMAS DAY CELEBRATION



गणतंत्र दिवस REPUBLIC DAY



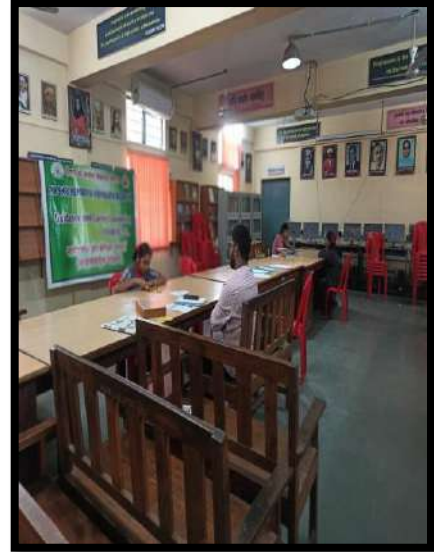
पितामह दिवस GRANDPARENTS DAY



21वीं सदी के कौशल 21ST CENTURY SKILLS



साइकोमेट्रिक परीक्षण PSYCHOMETRIC TESTING



क्षेत्र भ्रमण- चौमल्ला महल और सालारजंग संग्रहालय FIELD TRIP TO CHOWMAHALLA PALACE AND SALARJUNG MUSEUM



विज्ञान दिवस SCIENCE DAY



एक दिन किसान ONE DAY KISAN



